हिंदी दैनिक खबर

हर पल, हमारी खबर

केशववाणी

अनमोल वचन

जीवन में कभी भी संघर्ष से डरना नहीं चाहिए, क्योंकि संघर्ष ही जीवन का सार है, इसके बिना कोई भी सफलता संभव नहीं है।

बुधवार 27 मई 2026 बर्ष 02 अंक 139 पृष्ठ 4 www.keshavtv24.com Email:keshavtvbihar@gmail.com

बिहार पुलिस अकादमी से निकले 18 नए डीएसपी और एक जिला समादेष्टा

डीजीपी विनय कुमार ने ली पासिंग आउट परेड की सलामी, अधिकारियों ने ली सेवा और कर्तव्यनिष्ठा की शपथ

केशववाणी अनुमंडल संवाददाता, राजगीर। राजीव लोचन की रिपोर्ट राजगीर (नालंदा)। राजगीर स्थित बिहार पुलिस अकादमी में मंगलवार को आयोजित भव्य दीक्षांत एवं पासिंग आउट परेड समारोह के साथ बिहार पुलिस को 18 नए डीएसपी और एक जिला समादेष्टा के रूप में कुल 19 नए अधिकारी मिले। 69वें बैच के इन प्रशिक्षु अधिकारियों ने समारोह में लोगों की सेवा, कर्तव्यनिष्ठा और गोपनीयता बनाए रखने का संकल्प लिया। समारोह के मुख्य अतिथि एवं बिहार के पुलिस महानिदेशक विनय कुमार ने पासिंग आउट परेड की सलामी ली और प्रशिक्षु अधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस दौरान अकादमी परिसर में आकर्षक परेड, अनुशासन और जोश का अद्भुत प्रदर्शन देखने को मिला। डीजीपी ने अपने संबोधन में कहा कि बिहार पुलिस में शामिल हो रहे नए अधिकारी राज्य की कानून–व्यवस्था को और मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने अधिकारियों से ईमानदारी, संवेदनशीलता और निष्पक्षता के साथ कार्य करने की अपील की। समारोह में अकादमी के निदेशक आर मलर विली, उप निदेशक ए.के. लाल, सहायक निदेशक दीपक रंजन, चंद्र प्रकाश, डीआईजी निखिल रस्तोगी तथा नालंदा एसपी भारत सोनी सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले 19 अधिकारियों में 14 पुरुष और 5 महिला अधिकारी शामिल हैं। इनमें सात अधिकारी तकनीकी शिक्षा में स्नातक, तीन विज्ञान एवं कला विषय से स्नातकोत्तर तथा

नौ विज्ञान और कला विषयों से स्नातक हैं।इन अधिकारियों का प्रशिक्षण एक अप्रैल 2025 से शुरू हुआ था। लगभग एक वर्ष के कठोर प्रशिक्षण के दौरान इन्हें कानून–व्यवस्था, अपराध अनुसंधान, साइबर अपराध, यातायात प्रबंधन, मानव व्यवहार, शारीरिक क्षमता और आधुनिक पुलिसिंग से जुड़े विभिन्न विषयों का विशेष प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षु अधिकारियों को देश के विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों में उन्नत प्रशिक्षण प्रदान किया गया। गुजरात के गांधीनगर स्थित राष्ट्रीय विधि विज्ञान प्रयोगशाला में फॉरेंसिक साइंस, भोपाल स्थित केंद्रीय पुलिस प्रशिक्षण अकादमी में यातायात प्रबंधन तथा उमसाव स्थित केंद्रीय पुलिस प्रशिक्षण अकादमी में साइबर क्राइम अनुसंधान का प्रशिक्षण दिया गया। इसके अलावा हैदराबाद के ग्रेहाउंड्स रीजनल ट्रेनिंग सेंटर में शारीरिक एवं मानसिक क्षमता वृद्धि का प्रशिक्षण कराया गया। भारतीय प्रबंधन संस्थान बोधगया में संबंध प्रबंधन और मानव व्यवहार पर विशेष सत्र आयोजित किए गए। एनआईईएलआईटी के विशेषज्ञों द्वारा कंप्यूटर प्रशिक्षण तथा एम्स पटना के विशेषज्ञों द्वारा फॉरेंसिक मेडिसिन की बारीकियों से भी अधिकारियों को अवगत कराया गया। इसके अलावा अन्य कई संस्थानों में भी अलग–अलग विषयों पर व्यावहारिक एवं तकनीकी प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने वालों में उज्ज्वल कुमार उपकार, सर्वेश कुमार, शिवम तिवारी, पवन कुमार, संदीप कुमार सिंह, राजन भारती, विक्रमजीत सिंह, अभिषेक कुमार, नवनीत आनंद, अंकित कुमार रंजन, मोनिका कुमारी, अनुराग कुमार, अंकित कुमार, प्रीति कुमारी, पूजा कुमारी, भावना कुमारी, सुधा राज, अभिषेक राज एवं आनंद कुमार शामिल हैं।दीक्षांत समारोह के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों को विशेष पुरस्कार और ट्रॉफियां प्रदान की गईं। सीएम पिस्टल नवनीत आनंद को, डीजीपी स्वोर्ड राजन भारती को तथा डीजीपी बैटन नवनीत आनंद को प्रदान किया गया। डायरेक्टर्स ट्रॉफी के तहत बेस्ट इन लॉ एवं बेस्ट इन लीगल अफेयर्स मैनेजमेंट का पुरस्कार उज्ज्वल कुमार उपकार को मिला। बेस्ट इन मैनेजमेंट, इन्वेस्टिगेशन एंड ट्रायल, बेस्ट इन पीटी एवं बेस्ट इन ड्रिल का सम्मान राजन भारती को दिया गया। बेस्ट इन फायरिंग मेल का पुरस्कार अभिषेक कुमार तथा फीमेल वर्ग में पूजा कुमारी को मिला। 10 किलोमीटर दौड़ में पुरुष वर्ग में राजन भारती एवं नवनीत आनंद तथा महिला वर्ग में सुधा राज को सम्मानित किया गया। बेस्ट इन हॉर्स राइडिंग और बेस्ट परेड कमांडर का पुरस्कार पूजा कुमारी को मिला। बेस्ट प्रोबेशनर इन डायरेक्टर असेसमेंट का सम्मान अंकित कुमार रंजन को तथा अनिल कुमार मेमोरियल ट्रॉफी फॉर बेस्ट थीसिस नवनीत आनंद को प्रदान की गई। समारोह के दौरान प्रशिक्षु अधिकारियों की शानदार परेड, अनुशासन और समर्पण ने उपस्थित लोगों को प्रभावित किया। बिहार पुलिस अकादमी से निकलने वाले इन नए अधिकारियों से राज्य में बेहतर कानून–व्यवस्था और आधुनिक पुलिसिंग को नई मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

राजगीर मलमास मेला में आरजीएल उच्च विद्यालय छबीलापुर के बच्चों की सेवा भावना बनी मिसाल

केशववाणी शंकर कुमार की रिपोर्ट बिहारशरीफ (नालंदा)। नालंदा जिले के बिहारशरीफ स्थित आरजीएल उच्च विद्यालय, छबीलापुर के छात्र–छात्राओं ने राजगीर मलमास मेला में आने वाले श्रद्धालुओं की सेवा कर मानवता और सामाजिक जिम्मेदारी की अनूठी मिसाल पेश की। जिला प्रशासन के कुशल मार्गदर्शन, शिक्षा विभाग एवं विद्यालय परिवार के सहयोग से छात्राओं की एक टीम ने मेले में श्रद्धालुओं की सहायता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस संबंध में मेंटोर शिक्षक अजय कुमार ने बताया कि विद्यालय की बच्चियों ने भीषण गर्मी और कठिन परिस्थितियों के बीच श्रद्धालुओं की सेवा में बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। छात्राओं ने असहाय, दिव्यांग एवं लू से प्रभावित लोगों को स्नान कराने से लेकर उनकी हर संभव सहायता की। इस सेवा कार्य में स्काउट गाइड अशोक कुमार ने भी अपना महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया। सेवा दल में मुख्य रूप से सानिया कुमारी, मुस्कान कुमारी, सुप्रिया कुमारी, साक्षी कुमारी, रिया कुमारी, कोमल कुमारी, अंशु कुमारी, सोनल कुमारी, प्रियांशु कुमारी, सलोनी कुमारी, शिवानी कुमारी, स्वाति कुमारी एवं बबली कुमारी शामिल थीं।

मंगलवार को आयोजित विद्यालय की असेंबली में मेंटोर शिक्षक अजय कुमार ने इन बहादुर एवं सेवा भावना से ओतप्रोत छात्राओं की भूरी–भूरी प्रशंसा की। उन्होंने छात्राओं को भविष्य में भी इसी तरह समाज सेवा के कार्यों में आगे बढ़कर हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया।पूरे विद्यालय परिवार ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया तथा स्काउट गाइड अशोक कुमार के नेतृत्व की सराहना की। असेंबली में ओंकार देव आर्य, राकेश कुमार, अजय कुमार, शंकर कुमार राणा, सीमा कुमारी, कल्पना रेखा, राखी कुमारी, सुरजीत कुमार, सुजीत कुमार, संजीत कुमार, रौशन कुमार सिंह, लाइब्रेरियन मोहम्मद आफताब आलम, लिपिक धीरज कुमार, शिशुपाल पांडे एवं सुशील सिंह सहित कई शिक्षकों एवं कर्मियों ने तपती धूप में बच्चों द्वारा किए गए सेवा कार्य की प्रशंसा की।

मलमास मेला का पहला शाही स्नान आज ब्रह्म मुहूर्त से लगेगी आस्था की डुबकी

केशववाणी अनुमंडल संवाददाता, राजगीर। राजीव लोचन की रिपोर्ट राजगीर (नालंदा)। मलमास मेला का पहला शाही स्नान में काफी संख्या में संत व श्रद्धालु भाग लेंगे। जनसैलाब को देखते हुए जिला प्रशासन ने सुरक्षा और सुविधाओं की चाक–चौबंद तैयारी कर ली है। शाही स्नान की शुरुआत उदासीन अखाड़ा से होगी। इसमें खाक चौक, बड़ी संगत, धनियां पहाड़ी संगत, रजौली संगत, कैलाश आश्रम, कबीर पंथी, फलाहारी बाबा एवं सखी संप्रदाय के झुनकिया बाबा सहित अखाड़े के महंत और साधु–संत शामिल होंगे। खास यह भी कि हर जत्थे के साथ मजिस्ट्रेट के नेतृत्व में पुलिस बल तैनात रहेगी। शाही जुलूस के दौरान गूंजने वाले धार्मिक जयघोष और भक्ति गीतों से पूरा मेला क्षेत्र गुंजायमान रहेगा।सुबह 6 बजे (ब्रह्म मुहूर्त) से शाही स्नान शुरू हो जाएगा, जो दोपहर एक बजे तक चलेगा। साधु–संतों का प्रथम शाही स्नान गुरुनानक कुंड में होगा। इसके बाद वे सरस्वती नदी, सप्तधारा और अंत में मुख्य ब्रह्मकुंड में स्नान करेंगे। आम श्रद्धालुओं के लिए सबसे बड़ी राहत यह है कि संतों को कतार में नहीं लगना होगा, उनके लिए मुख्य प्रवेश द्वार से विशेष व्यवस्था की गई है। शाही स्नान के दौरान अगर दो जत्थों के बीच समय मिलता है तो उस गैप में आम श्रद्धालुओं को भी कुंड में स्नान का मौका दिया जाएगा।

अपने क्षेत्र के खबर भेजने या विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें

7033325120,9931609015

मलमास मेला : सोमवार की रात को झूला से गिरकर युवक की मौत, झूला संचालक के खिलाफ एफआईआर, गिरफ्तार

अन्य सभी झूलों को भी अगले आदेश तक कराया गया बंद
मृतक के चचेरे भाई ने कहा–सुरक्षा बेल्ट टूटने से हुआ हादसा

केशववाणी अनुमंडल संवाददाता, राजगीर। राजीव लोचन की रिपोर्ट

राजगीर (नालंदा)। मलमास मेला में सोमवार की रात झूला से गिरकर एक युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया जिसकी इलाज के लिए पटना ले जाने के दौरान उसकी मौत हो गयी। मृतक की पहचान नवादा जिला के नारदीगंज थाना क्षेत्र के विक्कू गांव निवासी विपिन कुमार के 18 वर्षीय पुत्र अमन कुमार के रूप में की गयी। वह राजगीर में सरस्वती विद्या मंदिर हसनपुर स्कूल में 10 प्लस–टू का छात्र था। घटना के बाद पहुंची पुलिस ने सोमवार की रात तत्काल सभी झूलों को अगले आदेश तक बंद करा दिया। डीएसपी संजीत कुमार गुप्ता ने बताया कि जिस झूले से घटना हुई है, उसे जब्त कर लिया गया है। संचालक नाहुब गांव निवासी राहुल कुमार के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। झूला बिना अनुमति के चलाया जा रहा था। अन्य सभी झूलों की जांच की जा रही है।

सुनामी झूले से हुआ हादसा

अमन के साथ उसका चचेरा भाई प्रिंस भी झूले पर सवार था। उसने बताया कि झूला स्टार्ट होने के थोड़ी देर बाद ही वह झूले से नीचे गिर गया। झूले से गिरकर पहले पोल से टकराया, फिर जमीन पर गिर गया। उसने आरोप लगाया कि झूले की सीट पर लगी सुरक्षा बेल्ट टूटने से हादसा हुआ। घटना के बाद जख्मी युवक को इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल लाया गया। वहां से बेहतर इलाज के लिए पावापुरी रेफर किया गया। पावापुरी से परिजन उसे बेहतर इलाज के लिए पटना ले जा रहे थे। इसी दौरान रात को करीब एक बजे फतुहा के पास उसकी मौत हो गयी।

झूला संचालन की नहीं ली गयी थी अनुमति

सूत्रों की मानें तो मां दुर्गेश्वरी मनोरंजन डिजनीलैंड मेला के द्वारा सभी झूले का परमिशन लिया गया था। सुनामी और स्कीन टावर झूला का परमिशन नहीं लिया गया था। डिजनीलैंड मेला के द्वारा चार टावर झूला, चार ब्रेक डांस झूला, तीन टोरा–टोरा झूला, दो मारुति सर्कस (मौत का कुआ), एक गैवेरी झूला, तीन नाव झूला, दो फिरवी झूला और एक राम मंदिर का संचालन के लिए अनुमति ली गयी थी। रात को 11 बजे तक ही झूला चलाने की अनुमति मिली थी। हालांकि लोगों की मानें तो सभी झूले सुबह तक चलते हैं और पुलिस–प्रशासन मूकदर्शक बना रहता है।

प्रशासन के दावों पर उठा सवाल

इस हादसे के बाद मेला क्षेत्र में लगाए गए झूलों की सुरक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक निगरानी पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। लोगों के बीच चर्चा है कि क्या मेले में लगे सभी झूले सुरक्षा मानकों और नियमों का पालन कर रहे हैं। परिजनों ने कहा कि झूले में सीट बेल्ट की स्थिति कैसी थी। इस मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। शुरुआत में पुलिस यह चर्चा कर रही थी कि सेल्फी लेने या रील बनाने के दौरान युवक हादसे का शिकार हो गया। लोगों ने कहा कि अगर युवक सेल्फी बनाता तो उसका मोबाईल गिरता न की वह गिरता। बेल्ट टूटना यह साफ प्रशासन की लापरवाही को दर्शाता है। बिना किसी जांच के परमिशन दे दी जाती है। अगर इसकी परमिशन नहीं थी तो यह हजारों के जान से खिलवाड़ के लिए कैसे चल रहा था। प्रशासन को यह मालूम नहीं है कि मेला में कितने झूले हैं। वे कैसे मेला संभाल पायेंगे।

27 मई के शाही स्नान को लेकर नालंदा प्रशासन अलर्ट, सुरक्षा और सुविधाओं के व्यापक इंतजाम

2 से 2.5 लाख श्रद्धालुओं के आने की संभावना, सुरक्षा के लिए 950 दंडाधिकारी और 530 पुलिस पदाधिकारी तैनात

केशववाणी शंकर कुमार की रिपोर्ट बिहारशरीफ(नालंदा)। राजकीय राजगीर मलमास मेला 2026 के दौरान 27 मई को आयोजित होने वाले प्रथम शाही स्नान को लेकर नालंदा जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुगम आवागमन, भीड़ नियंत्रण एवं विधि–व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से 25 मई 2026 को जिलाधिकारी कुंदन कुमार की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि मेला क्षेत्र, कुंड परिसर, प्रमुख मंदिरों, पार्किंग स्थलों एवं मुख्य मार्गों पर प्रतिनियुक्त सभी दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मी समय पर अपने–अपने स्थलों पर उपस्थित रहकर जिम्मेदारी का निर्वहन सुनिश्चित करें। किसी भी प्रकार की लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। प्रशासन के अनुसार, 27 मई को होने वाले प्रथम शाही स्नान में करीब 2 से 2.5 लाख श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। मलमास मेला 17 मई से 15 जून 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। इस दौरान देश के विभिन्न राज्यों के अलावा नेपाल, श्रीलंका सहित अन्य देशों से भी श्रद्धालु और पर्यटक राजगीर पहुंच रहे हैं। शाही स्नान की प्रमुख तिथियों में 27 मई (एकादशी), 31 मई (पूर्णिमा) एवं 11 जून (एकादशी) शामिल हैं। इसके अलावा 15 जून अमावस्या एवं प्रत्येक रविवार को भी भारी भीड़ उमड़ने की संभावना है।मेला में विधि–व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगभग 950 दंडाधिकारी, 530 पुलिस पदाधिकारी, घुड़सवार पुलिस बल और 100 होमगार्ड जवानों की प्रतिनियुक्ति की गई है।

मेला क्षेत्र में 38 टॉप, 16 वॉच टावर तथा 550 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से लगातार निगरानी की जा रही है। ड्रोन कैमरे, नाइट विजन उपकरण, मैन पैक और ड्रेगन लाइट्स की भी व्यवस्था की गई है। भीड़ नियंत्रण के लिए ब्रह्मकुंड परिसर में डबल लेयर बैरिकेडिंग और लोहे का जिग–जैग कॉरिडोर बनाया गया है। संवेदनशील स्थलों पर ऑडियो–वीडियो रिकॉर्डिंग वाले कैमरे लगाए गए हैं।

श्रद्धालुओं के लिए आवासन और पेयजल की विशेष व्यवस्था

मेला में श्रद्धालुओं के ठहरने के लिए 14 आवासन स्थल बनाए गए हैं, जिनमें 11 जर्मन हैंगर और 3 वाटरप्रूफ पंडाल शामिल हैं। स्टेट गेस्ट हाउस मैदान में वीआईपी टेंट सिटी सहित लगभग 6000 लोगों के ठहरने की क्षमता विकसित की गई है। गर्मी से राहत के लिए मिस्ट कूलर, पंखा, कूलर, शौचालय, पेयजल एवं सीसीटीवी जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। पीएचईडी द्वारा 30 स्थानों पर 300 प्याऊ लगाए गए हैं। साथ ही 20 नए चापाकल लगाए गए हैं और 60 खराब चापाकलों की मरम्मत की गई है। करीब तीन लाख श्रद्धालुओं के लिए प्रतिदिन पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था की गई है।

1000 से अधिक शौचालय और 25 चेंजिंग रूम

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 1000 से अधिक शौचालय एवं 25 चेंजिंग रूम बनाए गए हैं। नगर परिषद राजगीर एवं पीएचईडी द्वारा साफ–सफाई की व्यवस्था तीन पालियों में कराई जा रही है। मेला क्षेत्र को तीन सफाई जोन में बांटकर 617 सफाई कर्मियों, 87 पर्यवेक्षकों और 20 से अधिक वाहनों की तैनाती की गई है। नियमित फॉगिंग, ब्लीचिंग एवं चूना छिड़काव कराया जा रहा है।

स्वास्थ्य सेवाओं की विशेष व्यवस्था

मेला क्षेत्र में 8 अस्थायी अस्पताल, 18 स्वास्थ्य शिविर, 16 एम्बुलेंस और 4 चलंत चिकित्सा दल तैनात किए गए हैं। ब्रह्मकुंड में विशेष चिकित्सा शिविर बनाया गया है। इसके अलावा अनुमंडलीय अस्पताल राजगीर एवं भगवान महावीर आयुर्विज्ञान संस्थान पावापुरी में भी विशेष चिकित्सा तैयारी की गई है।

आपदा प्रबंधन और अग्निशमन की मजबूत तैयारी

आपदा प्रबंधन के तहत ब्रह्मकुंड परिसर में रेड कॉरिडोर बनाया गया है, जिसका उपयोग केवल आपातकालीन स्थिति में किया जाएगा। 21 सदस्यीय SDRF टीम एवं 180 आपदा मित्रों की तैनाती की गई है। अग्निशमन के लिए 30 दमकल वाहन और 250 अग्निशमन कर्मियों को 24 घंटे ड्यूटी पर लगाया गया है।

यातायात और पार्किंग की व्यवस्था

राजगीर आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पटना, गया, नवादा, जहानाबाद और बख्तियारपुर से रिंग बस सेवा चलाई जा रही है। 12 पार्किंग स्थल और 20 ट्रैफिक चेक पोस्ट बनाए गए हैं। ई–रिक्शा एवं टोटो के लिए रूट और किराया निर्धारित किया गया है। साथ ही ट्रैफिक डायवर्जन प्लान भी लागू किया गया है।

मेला में दिखेगी आध्यात्मिकता और आधुनिक तकनीक का संगम

जिग–जैग कॉरिडोर में श्रद्धालुओं के लिए बड़े टीवी स्क्रीन लगाए गए हैं, जिन पर भक्ति कार्यक्रम, रामायण एवं महाभारत का प्रसारण किया जा रहा है। गर्मी से राहत के लिए मिस्ट फैन एवं स्प्रिंकलर सिस्टम लगाए गए हैं। मेला क्षेत्र में मोबाइल नेटवर्क की समस्या को दूर करने के लिए विभिन्न कंपनियों के सहयोग से अतिरिक्त बीटीएस और टावर लगाए गए हैं।

विभागीय योजनाओं की प्रदर्शनी भी आकर्षण का केंद्र

मेला के दौरान जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न विभागों की विकास योजनाओं की प्रदर्शनी भी लगाई जा रही है। इसमें स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, उद्योग, आपदा प्रबंधन, मत्स्य, डेयरी, सामाजिक सुरक्षा सहित कई विभाग शामिल हैं। बैठक में नगर आयुक्त, अपर समाहर्ता, अपर समाहर्ता आपदा प्रबंधन, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, डीपीएम जीविका, जिला शिक्षा पदाधिकारी सहित कई अधिकारी उपस्थित थे।

अपने क्षेत्र के खबर भेजने या विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें
7033325120,9931609015

नालंदा को रेल नेटवर्क की बड़ी सौगात, तीन महत्वाकांक्षी परियोजनाओं को मिली मंजूरी

पावापुरी–नवादा रेल परियोजना पर शुरू हुआ काम, बिहारशरीफ–जहानाबाद रेल लाइन का सर्वे अंतिम चरण में

केशववाणी शंकर कुमार की रिपोर्ट बिहारशरीफ(नालंदा)। नालंदा और इसके आसपास के क्षेत्रों के लिए रेल कनेक्टिविटी के क्षेत्र में बड़ी सौगात सामने आई है। रेल मंत्रालय ने बौद्ध एवं जैन सर्किट को आपस में जोड़ने तथा स्थानीय व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तीन महत्वाकांक्षी रेल परियोजनाओं को हरी झंडी दे दी है। सबसे खास बात यह है कि चालू वित्तीय वर्ष के रेलवे बजट में इन परियोजनाओं के सर्वे के लिए अनुमति देने के साथ–साथ आवश्यक फंड की भी व्यवस्था कर दी गई है। यदि सब कुछ योजना के अनुसार आगे बढ़ता रहा, तो आने वाले समय में बिहारशरीफ से नवादा, बिहारशरीफ से एकंगरसराय होते हुए जहानाबाद तथा इस्लामपुर से मानपुर होते हुए बोधगया तक सीधी रेल सेवा शुरू हो जाएगी। इन तीनों रेल लाइनों के अस्तित्व में आने के बाद पूरे क्षेत्र में रेलवे का एक मजबूत और आधुनिक नेटवर्क तैयार होगा, जिससे नालंदा, गया और नवादा जिले की तस्वीर बदलने की उम्मीद जताई जा रही है। इस पूरी योजना की पहली और सबसे महत्वपूर्ण कड़ी पावापुरी–नवादा रेल परियोजना है। लगभग 34 किलोमीटर लंबी इस रेल लाइन का ड्रोन एवं गूगल अर्थ सर्वे पूरा होने के बाद रेल मंत्रालय से अंतिम मंजूरी मिल चुकी है और अब जमीनी स्तर पर काम भी शुरू हो गया है। चालू वित्तीय वर्ष के बजट में इस परियोजना के लिए 492.14 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। यह रेल लाइन नवादा को सीधे पावापुरी और राजगीर से जोड़ेगी।

इससे भगवान महावीर की निर्वाण स्थली पावापुरी आने वाले जैन श्रद्धालुओं तथा बौद्ध सर्किट के पर्यटकों को बड़ी सुविधा मिलेगी। इस रेल मार्ग पर तीन प्रमुख स्टेशन, दो बड़े पुल और 17 छोटे पुल बनाए जाने की योजना है। अधिकारियों के अनुसार, यह परियोजना पर्यटन के साथ–साथ स्थानीय लोगों की आवाजाही को भी आसान बनाएगी।

इस्लामपुर–बोधगया रेल लाइन से घटेगी दूरी

दूसरी महत्वपूर्ण परियोजना इस्लामपुर–बोधगया वाया मानपुर रेल लाइन है। लगभग 50 किलोमीटर लंबी यह रेल परियोजना नालंदा को सीधे गया और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन स्थल बोधगया से जोड़ेगी। इस परियोजना की अनुमानित लागत करीब 1000 करोड़ रुपये बताई गई है। रेलवे द्वारा इस योजना के शुरुआती ट्रैफिक सर्वे और अंतिम एलाइनमेंट सर्वे के लिए विशेष टोकन राशि एवं प्रशासनिक फंड जारी कर दिया गया है। इस रेलखंड के बन जाने के बाद नालंदा और बोधगया के बीच रेल दूरी लगभग 20 किलोमीटर तक कम हो जाएगी। इस रूट पर 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से ट्रेनों का संचालन करने की योजना है। परियोजना के तहत आठ स्टेशन और चार हॉल्ट प्रस्तावित किए गए हैं। इससे बोधगया आने वाले देश–विदेश के पर्यटकों को काफी सुविधा मिलेगी।

बिहारशरीफ–जहानाबाद रेल लाइन का सर्वे अंतिम चरण में

तीसरी बड़ी परियोजना बिहारशरीफ–जहानाबाद वाया एकंगरसराय रेल लाइन है। यह रेल लाइन बिहारशरीफ को सीधे जहानाबाद से जोड़ेगी, जो गया–पटना रेल रूट का महत्वपूर्ण स्टेशन है। करीब 65 किलोमीटर लंबी इस रेल परियोजना का सर्वे अब अंतिम चरण में पहुंच चुका है। रेलवे ने विस्तृत प्रारंभिक इंजीनियरिंग और ट्रैफिक सर्वे के लिए इस वित्तीय वर्ष में बजटीय प्रावधान भी किया है। इस परियोजना की अनुमानित लागत 1000 करोड़ रुपये से अधिक बताई जा रही है।

सर्वे एजेंसी के अनुसार, इस रूट पर बिहारशरीफ, एकंगरसराय और जहानाबाद को बड़े जंक्शन के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके अलावा एक क्रॉसिंग स्टेशन और पांच हॉल्ट भी बनाए जाने का प्रस्ताव है। परियोजना की फाइनल डीपीआर (DPR) जल्द ही रेलवे बोर्ड को सौंपी जाएगी।

आधुनिक और सुरक्षित होगा पूरा रेल नेटवर्क

इस पूरे रेल नेटवर्क की सबसे खास बात यह होगी कि सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए किसी भी स्थान पर रोड ओवरब्रिज नहीं बनाया जाएगा। सड़क यातायात को बाधित होने से बचाने के लिए रेलवे द्वारा 13 रोड अंडर ब्रिज, 21 बड़े पुल और 59 छोटे पुलों का निर्माण कराया जाएगा। इन परियोजनाओं के पूरा होने के बाद गया, बोधगया, राजगीर, पावापुरी और बिहारशरीफ जैसे प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों तक पहुंचना काफी आसान और किफायती हो जाएगा। इससे पर्यटन उद्योग को नई गति मिलने के साथ–साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बड़ा लाभ मिलेगा। अधिकारियों का मानना है कि इस रेल नेटवर्क के विस्तार से कादिरगंज के पा. रंपरिक रेशम उद्योग, कृषि उत्पादों और स्थानीय व्यापार को देशभर के नए बाजार मिलेंगे। इससे क्षेत्र में व्यापार, रोजगार और आर्थिक गतिविधियों में व्यापक वृद्धि होने की उम्मीद है।

राजगीर मलमास मेला में श्रद्धालुओं की सेवा में जुटा स्वास्थ्य विभाग, निशुल्क चिकित्सा सुविधा जारी

केशववाणी शंकर कुमार की रिपोर्ट बिहारशरीफ(नालंदा)। राजगीर मलमास मेला के शुभ अवसर पर ब्रह्मकुंड में स्नान करने आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय नजर आ रहा है। विशेष रूप से दुर्घटनाग्रस्त एवं अस्वस्थ श्रद्धालुओं की सहायता के लिए जिला स्वास्थ्य विभाग नालंदा द्वारा नियमित रूप से निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। मेला क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग की टीम पूरी निष्ठा और तत्परता के साथ श्रद्धालुओं की सेवा में जुटी हुई है। ब्रह्मकुंड एवं आसपास के क्षेत्रों में चिकित्सा शिविर, प्राथमिक उपचार एवं आपातकालीन स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं, ताकि किसी भी प्रकार की आकस्मिक स्थिति में तुरंत सहायता पहुंचाई जा सके। जिला प्रशासन द्वारा प्रतिनियुक्त पदाधिकारी, स्वास्थ्यकर्मी, पुलिस पदा. धिकारी एवं अन्य कर्मी लगातार मेला क्षेत्र में सक्रिय रहकर श्रद्धालुओं की सहायता कर रहे हैं। भीषण गर्मी और भारी भीड़ के बीच प्रशासन द्वारा सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं सुविधा व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है।

प्रशासन ने श्रद्धालुओं से भी अपील की है कि वे स्नान के दौरान सावधानी बरतें तथा किसी प्रकार की परेशानी होने पर तुरंत प्रशासनिक सहायता केंद्र या स्वास्थ्य शिविर से संपर्क करें। मलमास मेले में श्रद्धालुओं की सेवा और सुविधा को लेकर जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग की पहल की लोगों द्वारा सराहना की जा रही है।

नालंदा में पेट्रोल–डीजल और रसोई गैस की नहीं है कोई कमी : डीएम

केशववाणी शंकर कुमार की रिपोर्ट बिहारशरीफ(नालंदा)। नालंदा जिले में पेट्रोल–डीजल एवं रसोई गैस की उपलब्धता को लेकर फैली आशंकाओं के बीच जिला प्रशासन ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा है कि जिले में ईंधन की कोई कमी नहीं है। मंगलवार, 26 मई 2026 को जिला पदाधिकारी श्री कुंदन कुमार ने पेट्रोल पंप बंद होने एवं रसोई गैस की कमी की सूचना के मद्देनजर सभी तेल विपणन कंपनियों के सेल्स ऑफिसर एवं जिला के वरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक के दौरान नोडल सेल्स ऑफिसर ने जानकारी दी कि जिले के सभी पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल और डीजल की पर्याप्त उपलब्धता है तथा सभी पंप पूरी क्षमता के साथ संचालित हो रहे हैं। तीनों तेल कंपनियों के अधिकारियों ने बताया कि खपत के अनुसार लगातार आपूर्ति की जा रही है और किसी प्रकार की कमी नहीं है। जिला पदाधिकारी ने सभी तेल कंपनियों के सेल्स ऑफिसरों को निर्देश दिया कि वे अपने वरीय अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर पेट्रोल–डीजल की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करें। साथ ही 5 से 10 प्रतिशत अतिरिक्त स्टॉक पेट्रोल पंपों पर उपलब्ध रखने का भी निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि वितरण में किसी प्रकार की बाधा आने पर तत्काल समन्वय स्थ. ापित कर समस्या का समाधान किया जाए ताकि विधि–व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न न हो। डीएम ने आम लोगों से अपील की कि वे किसी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें और पैनिक खरीदारी से बचें, क्योंकि जिले में पेट्रोल–डीजल की कोई कमी नहीं है।

प्रतिदिन उपलब्ध कराए जा रहे 7806 घरेलू गैस सिलिंडर

बैठक में नोडल पदाधिकारी एलपीजी ने बताया कि जिले की 54 गैस एजेंसियों के माध्यम से उपभोक्ताओं को बुकिंग के आधार पर प्रतिदिन औसतन 7806 घरेलू एलपीजी सिलिंडर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

बिहारशरीफ, राजगीर और सिलाव में तेजी से बिछ रही पीएनजी पाइपलाइन

जिला पदाधिकारी ने बताया कि बिहारशरीफ नगर निगम क्षेत्र, राजगीर और सिलाव में पीएनजी (पाइप्ड नेचुरल गैस) पाइपलाइन बिछाने का कार्य तेजी से चल रहा है। बिहारशरीफ के वार्ड संख्या 44 और 26, सिलाव के कई वार्डों तथा राजगीर के विभिन्न क्षेत्रों में पाइपलाइन बिछाने का कार्य पूरा हो चुका है। इसके अलावा न्यू नालंदा विश्वविद्यालय, बिहार पुलिस अकादमी और आयुध कारखाना में भी पीएनजी पाइपलाइन पूरी तरह बिछाई जा चुकी है। वहीं बिहारशरीफ, सिलाव एवं राजगीर के अन्य कई वार्डों में अभी पाइपलाइन बिछाने का कार्य जारी है। डीएम ने बताया कि जिन क्षेत्रों में च्छळ पाइपलाइन बिछ चुकी है, वहां उपभ. ोक्ताओं को च्छळ कनेक्शन लेना अनिवार्य होगा। प्रशासन द्वारा विशेष निरीक्षण कर यह सुनिश्चित किया जाएगा कि उपभोक्ता कनेक्शन ले रहे हैं या नहीं। उन्होंने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य एलपीजी सिलिंडर पर निर्भरता कम करना तथा लोगों को सुरक्षित एवं निरंतर गैस आपूर्ति उपलब्ध कराना है। अब तक जिले में 2012 ला. `गों को पीएनजी कनेक्शन दिया जा चुका है।

स्कूल, छात्रावास और सामुदायिक रसोई को प्राथमिकता

डीएम ने इंडियन ऑयल–अडानी गैस प्राइवेट लिमिटेड के अधिकारियों को निर्देश दिया कि बिहारशरीफ, सिलाव और राजगीर के उन क्षेत्रों में प्राथमिकता के आधार पर पीएनजी कनेक्शन उपलब्ध कराया जाए, जहां आवासीय विद्यालय, महाविद्यालय, छात्रावास, सामुदायिक रसोई और आंगनवाड़ी रसोई संचालित हैं।

कंट्रोल रूम नंबर जारी

एलपीजी सिलिंडर से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए जिला स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। उपभोक्ता टोल फ्री नंबर 06112–233168 पर संपर्क कर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। जिला पदाधिकारी ने लोगों से अपील की कि यदि कहीं पेट्रोल–डीजल या एलपीजी सिलिंडर की जमाखोरी, कालाबाजारी या घरेलू गैस का व्यवसायिक उपयोग होता दिखे तो इसकी सूचना तत्काल कंट्रोल रूम को दें। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसे मामलों में संलिप्त पाए जाने वाले व्यक्ति या संस्थान के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बढ़ते पेट्रोलियम पदार्थ के दाम पर सरकार रोक लगाए– रामदेव चौधरी

केशववाणी शंकर कुमार की रिपोर्ट बिहारशरीफ(नालंदा)। बिहारशरीफ के खंदकपर स्थित रॉयल पैलेस होटल में सामाजिक कार्यकर्ताओं की बैठक की गई,जिसमें विभिन्न संगठनों के नेता एवं कार्यकर्ता भाग लिए। बैठक को संबोधित करते हुए बक्ताओं ने कहां कि भारत में बढ़ रहे पेट्रोलियम पदार्थ के दामों पर सरकार रोक लगाए। मात्र 10 दिन में चार बार पेट्रोलियम पदार्थ का दाम बढ़ाया गया है भारत देश 50 देश से पेट्रोलियम पदार्थ का आयात करता है, दूसरे तरफ भारत 150 देशों में अपना पेट्रोलियम पदार्थ निर्यात करता है भारत देश जो 150 देश को पेट्रोलियम पदार्थ निर्यात करता है वह सस्ते दर पर कर रहा है दूसरे तरफ खुद का देश में महंगा पेट्रोलियम पदार्थ बेचा जा रहा है जिसे आम जनता के जेब पर बोझ पढ़ रहा है बस किराया से लेकर खाने पीने के वास्तु महंगे हो गए हैं देश का अमीर और अमीर होता जा रहा है और दूसरे तरफ गरीब और गरीब होता जा रहा है चुनाव के आड़ में म्टड मशीन द्वारा लोकतंत्र को खत्म किया जा रहा है। देश के महत्वपूर्ण परीक्षा के पेपर लीक किए जा रहे हैं, जिसे छात्र युवा परेशान हो रहे हैं। देश के प्रधानमंत्री आम जनता से आव्हान किए हैं कि 1 साल तक सोना न खरीदें एवं तेल का बचत करें एवं विदेश का यात्रा न करें लेकिन दूसरे तरफ खुद भारत का प्रधानमंत्री 5 देश के यात्रा पर चले गए। देश के मुख्यमंत्री एवं मंत्री खुद गाड़ी का काफिला बनाकर चल रहे हैं आज देश के सल्फा व्यापारी देश का प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए 1 साल तक सोना न खरीदने के वक्तव्य के विरोध में खुद सड़क पर उतरकर विरोध कर रहे हैं कल तक ये लोग प्रधानमंत्री को अपना बहुत मूल्य वोट दिए और दूसरों से वोट दिलाकर जितने का काम किए। बैठक में सर्वसमिति से निर्णय लिया गया कि सामाजिक न्याय मोर्चा का गठन किया जाए। बैठक की अध्यक्षता सामाजिक कार्यकर्ता एवं किसान नेता चंद्रशेखर प्रसाद ने की। बैठक में बढ़ते पेट्रोलियम पदार्थ के दाम पर रोक लगाया जाए। यूजीसी बिल 2026 को लागू किया जाए। समान शिक्षा प्रणाली लागू किया जाए। कॉलेजियम प्रणाली को न्यायिक प्रतिक्रिया में समाप्त किया जाए। यूपीएससी एवं बीपीएससी के तर्ज पर परीक्षा के द्वारा जजों की बहाली किया जाए। उच्च शिक्षा संस्थानों में भेदभाव को दूर किया जाए। वायलेट पेपर से चुनाव कराया जाए। निजी स्कूलों कॉलेजों को सरकारी कारण किया जाए आदि मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक में अतिपिछड़ा/दलित/अल्पसंख्यक संघर्ष मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं फुटपाथ संघर्ष मोर्चा के जिला अध्यक्ष रामदेव चौधरी डॉ भीमराव अंबेडकर संघर्ष विचार मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल पासवान फुटपाथ संघर्ष मोर्चा के जिला महासचिव महेंद्र प्रसाद अधिवक्ता कल्याण कुमार प्रोफेसर शिव कुमार प्रसाद यादव सरजुग रविदास विनोद यादव लालती देवी मोहम्मद चांद आदि लोग उपस्थित थे।

अपने क्षेत्र के खबर भेजने या विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें
7033325120,9931609015

इस्लामपुर के वयोवृद्ध समाजसेवी कालीचरण हलवाई का निधन, नगर में शोक की लहर

केशववाणी प्रेम सिंघानिया की रिपोर्ट इस्लामपुर(नालंदा)। नगर के बूढ़ा नगर निवासी एवं प्रसिद्ध समाजसेवी वयोवृद्ध कालीचरण हलवाई का करीब 99 वर्ष की आयु में आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन की खबर मिलते ही पूरे नगर में शोक की लहर दौड़ गई। व्यवसायियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं गणमान्य लोगों ने उनके निधन को समाज के लिए अपूरणीय क्षति बताया है। स्वर्गीय कालीचरण हलवाई लंबे समय से समाजसेवा और अपने सरल एवं मिलनसार स्वभाव के कारण लोगों के बीच काफी लोकप्रिय थे। नगर के लोग उन्हें सम्मान की दृष्टि से देखते थे। वे हमेशा जरूरतमंदों की सहायता के लिए तत्पर रहते थे। उनके निधन से बूढ़ा नगर सहित पूरे इस्लामपुर क्षेत्र में शोक का माहौल है। परिवारजनों के अनुसार, उनका निधन अचानक हुआ, जिससे परिवार के लोग काफी मर्माहत हैं। वे अपने पीछे चार पुत्र — सुरेश प्रसाद, पन्ना लाल, मुन्ना लाल एवं प्रेम लाल कृ तथा पुत्री ऊषा देवी सहित भरा–पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनके निधन के बाद परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। उनके निधन पर भाजपा किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष महेन्द्र सिंह यादव ने गहरा दुःख व्यक्त करते हुए कहा कि कालीचरण हलवाई समाज के सम्मानित एवं प्रेरणादायक व्यक्तित्व थे। वहीं भाजपा नेता वीरेंद्र गोप, विजय विश्वकर्मा, व्यापार मंडल अध्यक्ष संजय साहू, ई. अरविन्द कुमार एवं पत्रकार रामबाबू सर्राफ सहित कई गणमान्य लोगों ने शोक संवेदना प्रकट करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। नगर के कई सामाजिक एवं व्यावसायिक संगठनों ने भी उनके निधन पर शोक जताया है। लोगों ने कहा कि कालीचरण हलवाई का जीवन समाज सेवा, सद्भाव और मानवीय मूल्यों का प्रतीक था। उनके निधन से समाज ने एक अनुभवी एवं सम्मा. नित अभिभावक को खो दिया है।

कतरीसराय में अपहरण और रुपये छिनतई मामले में विधिविरुद्ध बालक निरुद्ध

केशववाणी गुड्डु कुमार की रिपोर्ट कतरीसराय(नालंदा)। स्थानीय थाना क्षेत्र के बरीठ गांव निवासी प्रिंस कुमार के कथित अपहरण एवं रुपये छिनतई मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक विधिविरुद्ध बालक को निरुद्ध किया है। निरुद्ध बालक बिहारशरीफ थाना क्षेत्र के टिकुलीपर मोहल्ले का निवासी बताया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बीते 5 मई को बरीठ गांव निवासी प्रिंस कुमार, पिता रामप्रताप महतो, का कथित रूप से अपहरण कर लिया गया था। आरोप है कि अपहरण के दौरान उससे 71 हजार रुपये छीन लिए गए। इतना ही नहीं, बाद में मोबाइल फोन के जरिए उससे और रुपये की मांग भी की जा रही थी। घटना को लेकर पीड़ित पक्ष द्वारा कतरीसराय थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले को गंभ‍ीरता से लेते हुए जांच शुरू की।थानाध्यक्ष धर्मेन्द्र कुमार ने बताया कि मामले की मानवीय एवं तकनीकी दोनों स्तरों पर जांच की गई। जांच के दौरान सीडीआर लोकेशन एवं अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बिहारशरीफ के टिकुलीपर मोहल्ले से एक विधिविरुद्ध बालक को निरुद्ध किया। पुलिस के अनुसार, निरुद्ध बालक को न्यायालय में प्रस्तुत करने के बाद विधिसम्मत कार्रवाई करते हुए बाल सुधार गृह भेज दिया गया है। वहीं मामले में अन्य संभावित आरोपितों की संलिप्तता को लेकर भी जांच जारी है।

चंडी थाना क्षेत्र के पॉक्सो कांड में अभियुक्त ने किया आत्मसमर्पण

केशववाणी प्रेम सिंघानिया की रिपोर्ट चंडी(नालंदा)। नालंदा जिले के चंडी थाना क्षेत्र अंतर्गत रूपसपुर गांव में 9 वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म मामले में नामजद अभियुक्त ने पुलिस दबाव के कारण न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिनांक 06 मई 2026 को चंडी थाना को सूचना मिली थी कि रूपसपुर गांव की एक 9 वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म की घटना हुई है। घटना के संबंध में पीड़िता की मां के लिखित आवेदन के आधार पर चंडी थाना कांड संख्या–308/26 दिनांक 06.05.2026 दर्ज किया गया। मामले में भारतीय न्याय संहिता (ठछै) की धारा 65(2), 351(2) तथा पॉक्सो एक्ट की धारा 4/6 के तहत प्राथमिकी दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया।इस मामले में रूपसपुर गांव निवासी मज्जू सिंह उर्फ मधेश्वर, पिता स्वर्गीय उगर सिंह को नामजद अभियुक्त बनाया गया था। घटना की गंभीरता को देखते हुए वरीय पुलिस पदाधिकारियों द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण किया गया तथा अनुसंधान को लेकर आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए। पुलिस द्वारा अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही थी। पुलिस दबिस एवं लगातार हो रही कार्रवाई के कारण अभियुक्त मज्जू सिंह उर्फ मधेश्वर ने मंगलवार, 26 मई 2026 को माननीय न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस ने बताया कि मामला अभी अनुसंधानाधीन है तथा आगे की विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है।

राजगीर मलमास मेला में दिव्यांग एवं वृद्ध श्रद्धालुओं की सेवा में जुटा स्वास्थ्य विभाग

केशववाणी राजगीर(नालंदा)। राजगीर मलमास मेला के दौरान ब्रह्मकुंड में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय नजर आ रहा है। विशेष रूप से दिव्यांगजन, वृद्धजन, महिला, पुरुष एवं बच्चों की सहायता के लिए जिला स्वास्थ्य विभाग नालंदा द्वारा एंबुलेंस सेवा के माध्यम से नियमित रूप से निःस्वार्थ सेवा प्रदान की जा रही है। मेला क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग की टीम पूरी निष्ठा एवं तत्परता के साथ श्रद्धालुओं की सहायता में जुटी हुई है। ब्रह्मकुंड परिसर में प्रतिनियुक्त स्वास्थ्यकर्मी जरूरतमंद श्रद्धालुओं को एंबुलेंस के माध्यम से सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने, प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराने एवं आपातक. ालीन स्थिति में त्वरित सहायता प्रदान करने का कार्य कर रहे हैं।जिला प्रशासन द्वारा प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी, आपदा मित्र एवं अन्य कर्मी भी श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लगातार सक्रिय हैं। भीषण गर्मी और भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन द्वारा विशेष निगरानी रखी जा रही है, ताकि किसी श्रद्धालु को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे मेला क्षेत्र में संयम बनाए रखें तथा आवश्यकता पड़ने पर प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की सहायता सेवाओं का लाभ उठाएं। श्रद्धालुओं की सेवा को लेकर जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग की पहल की व्यापक सराहना हो रही है।